KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 4

विचारक, विश्वास और इमारतें
सांस्कृतिक विकास (600 ई.पू.-600 ई.)

भाग - 3

प्रीतेश जोशी

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बुद्ध की शिक्षाऐं

- बुद्ध की शिक्षाओं को सुत्त पिटक में दी गई कहानियों के आधार पर पुनर्निर्मित किया गया है।
- हालांकि कुछ कहानियों में उनकी आलौकिक शक्तियों का वर्णन है।
- दूसरी कहानियां बताती हैं कि अलौकिक शक्तियों की बजाय बुद्ध ने लोगों को विवेक और तर्क के आधार पर समझाने का प्रयास किया।

उदाहरण के लिए :-

- जब एक मरे हुए बच्चे की शोकमग्न माँ बुद्ध के पास आई तो उन्होंने बच्चे को जीवित करने की बजाय उस महिला को मृत्यु के अवश्यंभावी होने की बात समझाई।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्राकृत



- ये कथाएं आम जनता की भाषा में रची गई थीं जिससे इन्हें आसानी से समझा जा सकता था।

बौद्ध दर्शन:-

- बौद्ध-दर्शन के अनुसार विश्व अनित्य है और लगातार बदल रहा है, साथ ही यह आत्माविहीन है क्योंकि यहां कुछ भी स्थायी या शाश्वत नहीं है।
- इस क्षणभंगुर दुनिया में दुख मनुष्य के जीवन का अंतर्निहित तत्व है।
- चरम तपस्या और विषयासक्ति के बीच मध्यम मार्ग अपनाकर मनुष्य दुनिया के दुखों से मुक्ति पा सकता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. बौद्ध दर्शन पर एक लेख लिखें ?



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

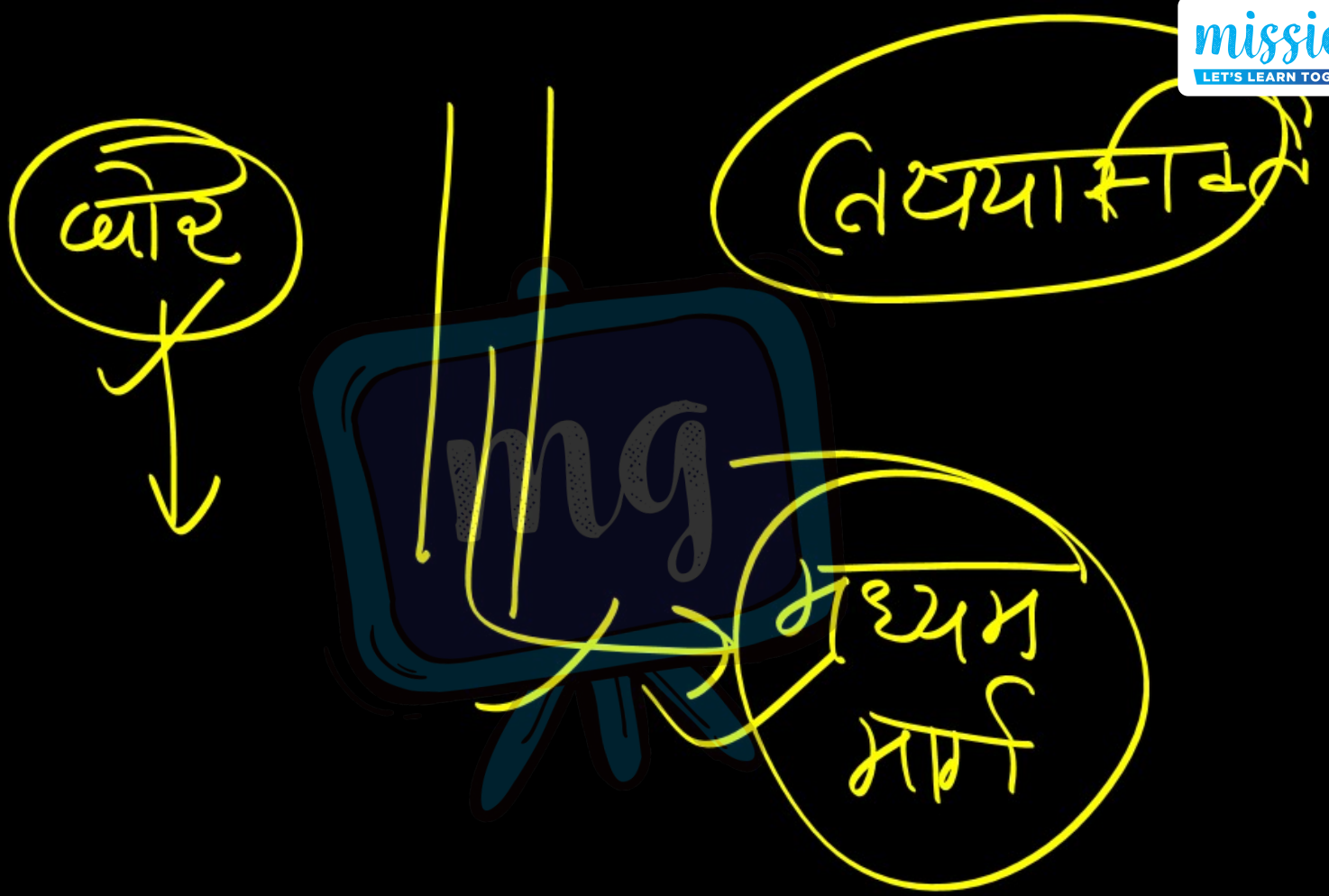

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

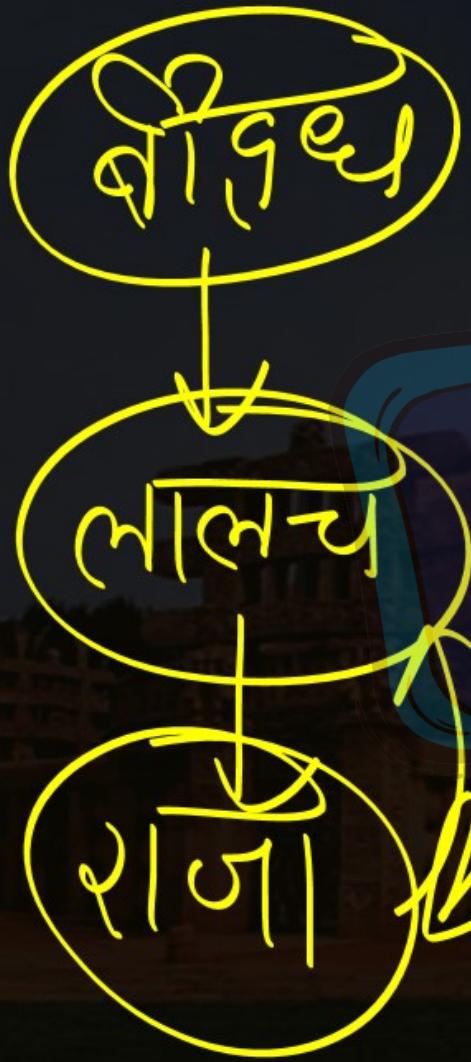

- बौद्ध धर्म की प्रारंभिक परंपराओं में भगवान का होना या न होना अप्रासंगिक था।
- बुद्ध मानते थे कि समाज का निर्माण इन्सानों ने किया था न कि ईश्वर ने। इसलिए उन्होंने राजाओं और गृहपतियों को दयावान और आचारवान होने की सलाह दी।
- उनका मानना था कि व्यक्तिगत प्रयास से सामाजिक परिवेश को बदला जा सकता है।
- बुद्ध ने जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति, आत्मज्ञान और निर्वाण के लिए व्यक्ति केन्द्रित हस्तक्षेप और सम्यक कर्म की कल्पना की।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- निर्वाण का मतलब था अहं और इच्छा का खत्म हो जाना जिससे गृहत्याग करने वालों के दुख के चक्र का अंत हो सकता था।
- बौद्ध परंपरा के अनुसार उनका अंतिम निर्देश था, "तुम सब अपने लिए खुद ही ज्योति बनो, क्योंकि तुम्हें खुद ही अपनी मुक्ति का रास्ता ढूंढना है।"

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

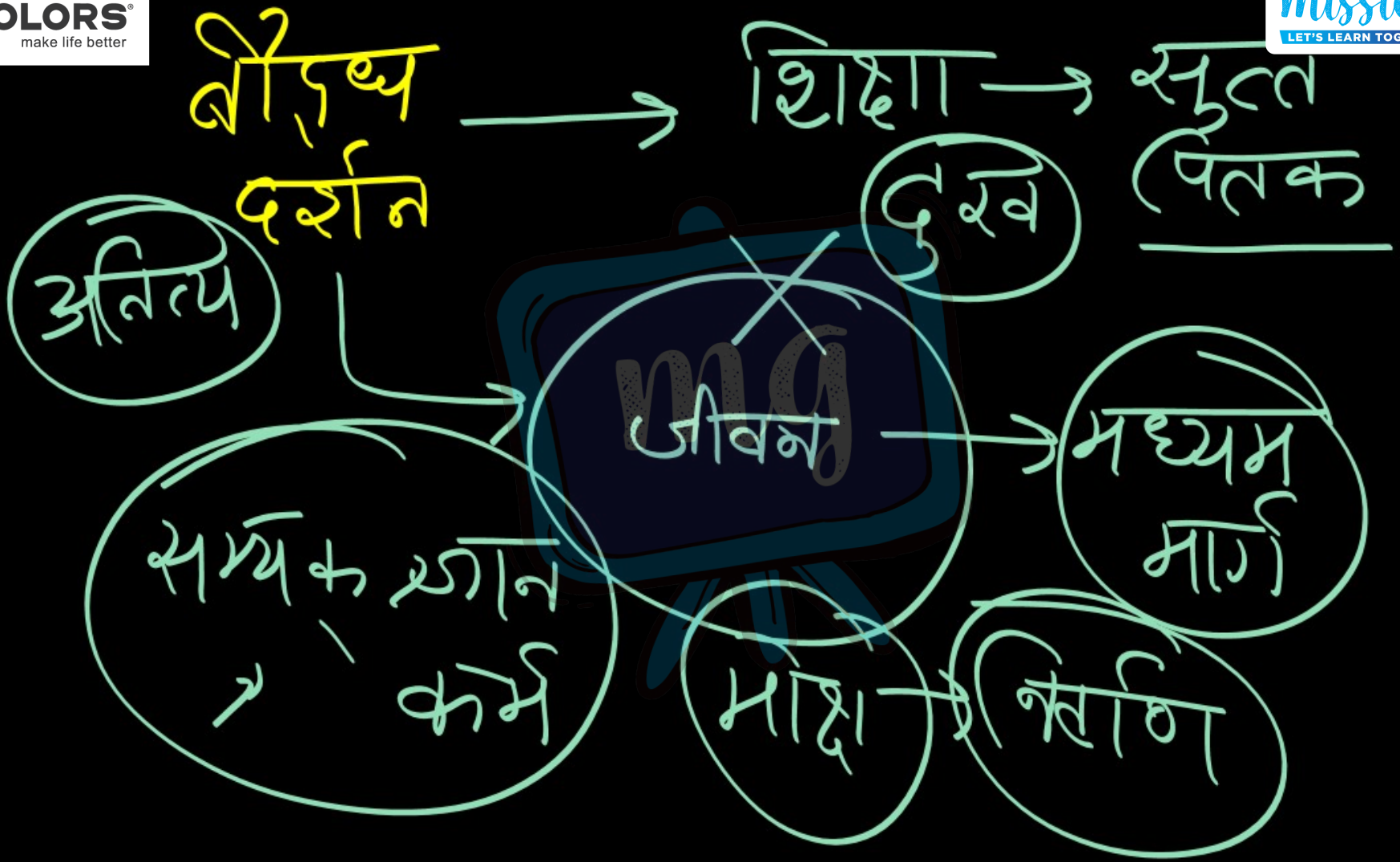

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संघ



पुरुष

आनन्द

बुद्ध के अनुयायी

- धीरे-धीरे बुद्ध के शिष्यों का दल तैयार हो गया, इसलिए उन्होंने संघ की स्थापना की. ऐसे भिक्षुओं की एक संस्था जो धम्म के शिक्षक बन गए।
- ये श्रमण एक सादा जीवन बिताते थे।
- उनके पास जीवनयापन के लिए अत्यावश्यक चीज़ों के अलावा कुछ नहीं होता था।
- वे दिन में एक बार उपासकों से भोजन दान पाने के लिए वे एक कटोरा रखते थे।
- चूँकि वे दान पर निर्भर थे इसलिए उन्हें भिक्खु कहा जाता था।
- प्रारम्भ में सिर्फ़ पुरुष ही संघ में सम्मिलित हो सकते थे। बाद में महिलाओं को भी अनुमति मिली।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक विषमताएँ और महिलाओं का निर्वाण

- बौद्ध ग्रंथों के अनुसार बुद्ध के प्रिय शिष्य आनंद ने बुद्ध को समझाकर महिलाओं के संघ में आने की अनुमति प्राप्त की।
- बुद्ध की उपमाता महाप्रजापति गोतमी संघ में आने वाली पहली भिक्खुनी बनी।
- कई स्त्रियाँ जो संघ में आईं, वे धम्म की उपदेशिकाएँ बन गईं।
- आगे चलकर वे थेरी बनी जिसका मतलब है ऐसी महिलाएँ जिन्होंने निर्वाण प्राप्त कर लिया हो।
- बुद्ध के अनुयायी कई सामाजिक वर्गों से आए। इनमें राजा, धनवान, गृहपति और सामान्य जन कर्मकार, दास, शिल्पी, सभी शामिल थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

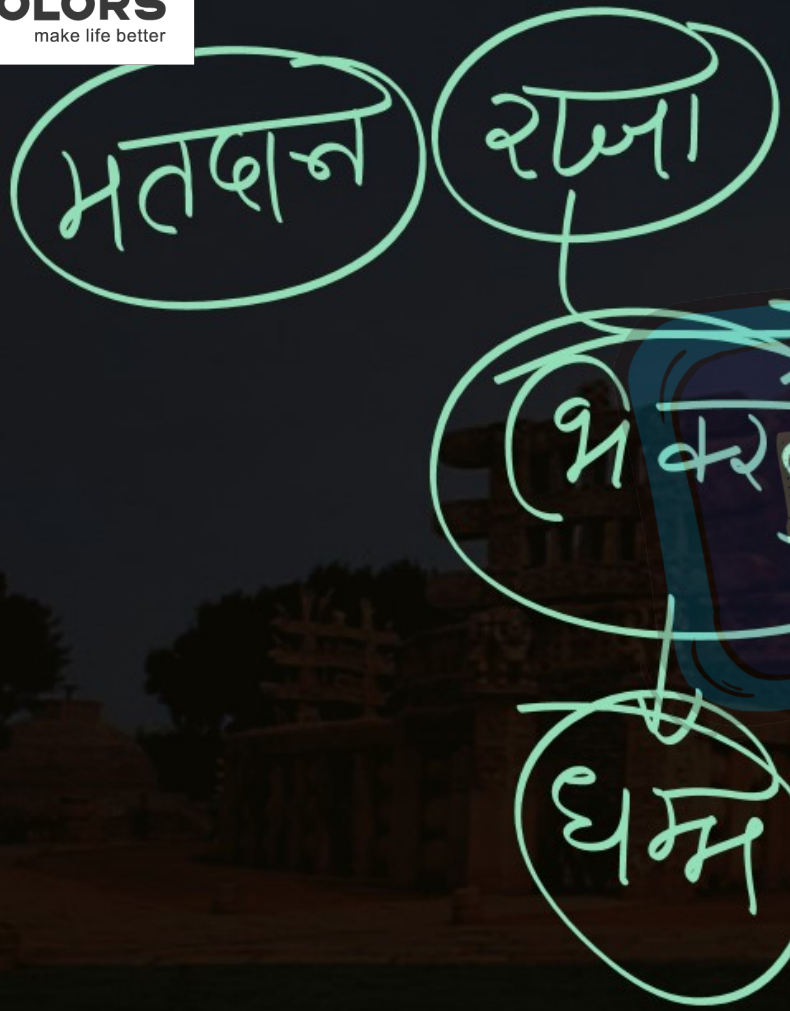

- एक बार संघ में आ जाने पर सभी को बराबर माना जाता था क्योंकि भिक्खु और भिक्खुनी बनने पर उन्हें अपनी पुरानी पहचान को त्याग देना पड़ता था।
- संघ की संचालन पद्धति गणों और संघों की परपरा पर आधारित थी। इसके तहत लोग बातचीत के माध्यम से एकमत होने की कोशिश करते थे। अगर यह संभव नहीं होता था तो मतदान द्वारा निर्णय लिया जाता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. बौद्ध धर्म मे संघ पर चर्चा करें?



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. गौतम बुद्ध की मृत्यु के [illegible] भी बौद्ध धर्म क्यों तेजी से फैला?



कर्मकांड उच्च

- बुद्ध के जीवनकाल में और उनकी मृत्यु के बाद भी बौद्ध धर्म तेज़ी से फैला। क्योंकि लोग समकालीन धार्मिक प्रथाओं से असंतुष्ट थे और उस युग में तेज़ी से हो रहे सामाजिक बदलावों से भी वे उलझनों में थे।
- बौद्ध शिक्षाओं में जन्म के आधार पर श्रेष्ठता की बजाय जिस तरह अच्छे आचरण और मूल्यों को महत्त्व दिया गया जिससे महिलाएँ और पुरुष इस धर्म की तरफ़ आकर्षित हुए।
- स्वयं से छोटे और कमज़ोर लोगों की तरफ़ मित्रता और करुणा के भाव को महत्त्व देने के आदर्श काफ़ी लोगों को भाए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

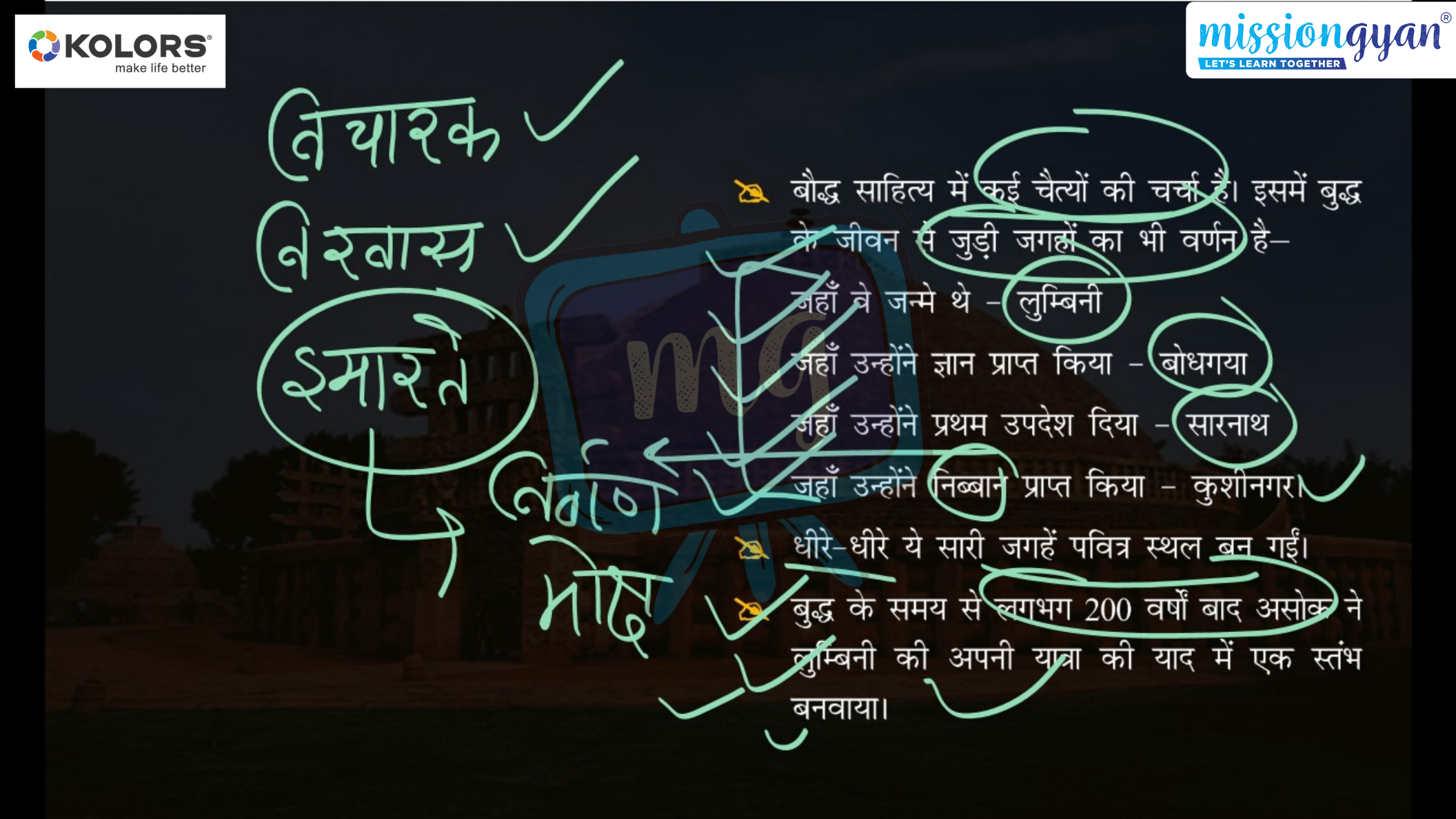

- बौद्ध साहित्य में कई चैत्यों की चर्चा है। इसमें बुद्ध के जीवन से जुड़ी जगहों का भी वर्णन है–
  - जहाँ वे जन्मे थे – लुम्बिनी
  - जहाँ उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया – बोधगया
  - जहाँ उन्होंने प्रथम उपदेश दिया – सारनाथ
  - जहाँ उन्होंने निब्बान प्राप्त किया – कुशीनगर।
- धीरे-धीरे ये सारी जगहें पवित्र स्थल बन गईं।
- बुद्ध के समय से लगभग 200 वर्षों बाद असोक ने लुम्बिनी की अपनी यात्रा की याद में एक स्तंभ बनवाया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

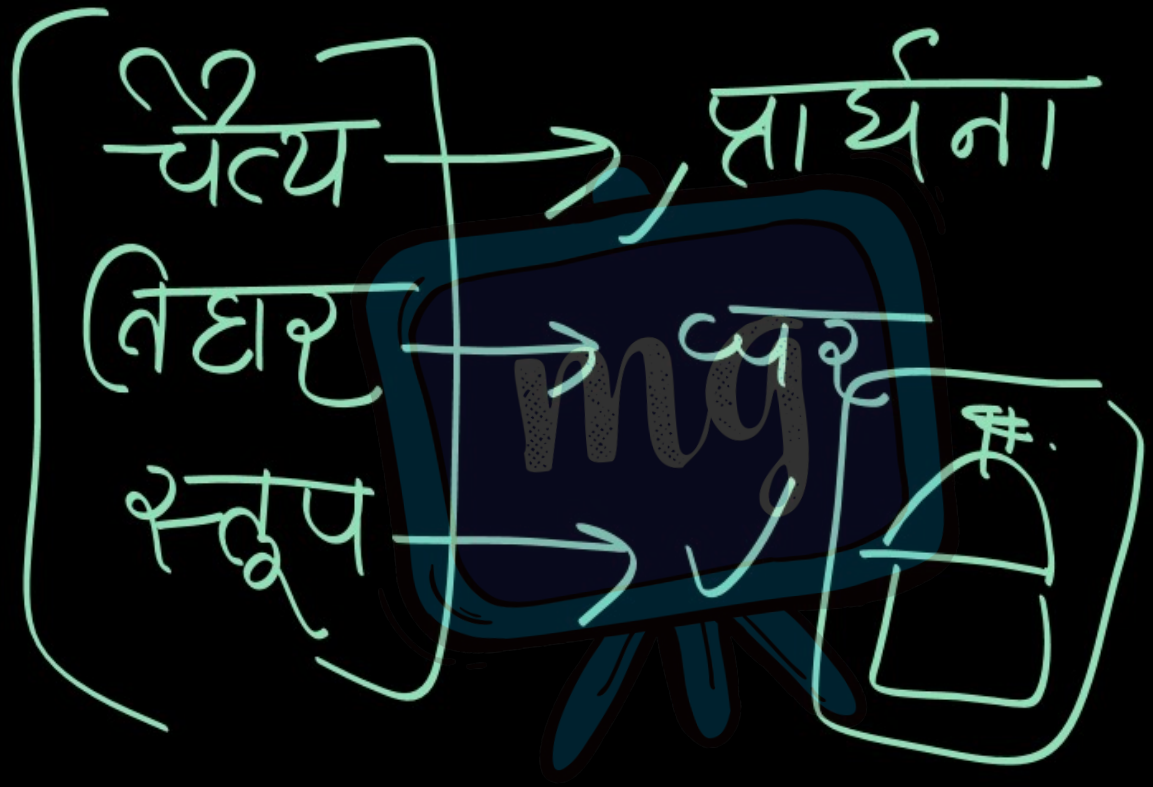

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

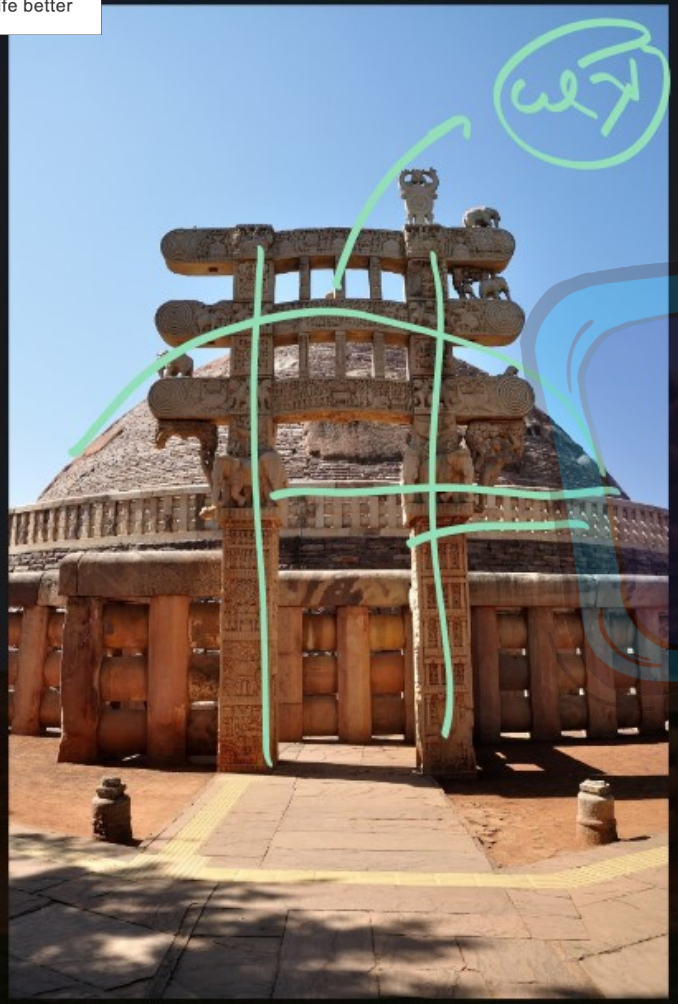

स्तूप बनाने के कारण

स्तूप :- ऐसे पवित्र टीले जहां पर बुद्ध से जुड़े अवशेष जैसे उनकी अस्थियां या उनके द्वारा प्रयुक्त सामान गाड़ दिये जाते थे। स्तूप कहते थे।

- स्तूप बनाने की परंपरा बुद्ध से पहले से ही रही होगी, लेकिन वह बौद्ध धर्म से जुड़ गई।
- चूंकि उनमें पवित्र अवशेष रहते थे इसलिए समूचे स्तूप को ही बौद्ध धर्म का प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठा मिली।
- अशोकावदान नामक बौद्ध ग्रंथ के अनुसार असोक ने बुद्ध के अवशेषों के हिस्से हर शहर में बांटकर उनके ऊपर स्तूप बनाने के आदेश दिये।
- ईसा पूर्व दूसरी सदी तक (200 ई.पू. तक) भरहूत (म.प्र.), सांची और सारनाथ में स्तूप बनाये जा चुके थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

